घरेलू उत्पादों के भारतीय बाजार में यूपी के उभरते अवसर

लखनऊ। राज्य की राजधानी होने के साथ-साथ लखनऊ अपने विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोग्राम के साथ एक मिनी मेट्रो बनकर उत्तर प्रदेश का विकास केंद्र बन रहा है उत्तर प्रदेश भारत का सबसे ज्यादा आबादी वाला प्रदेश हैं शहर की सुशिक्षित एवं उच्चाकांक्षित युवाओं की बढ़ती जसंख्या के साथ यहाँ की जीवनशैली बदल रही है। इस कारण से यहाँ पर घरेलू उपादो की मांग लगातार बढ़ रही है। लखनऊ भारत में उभरते रिटेल मार्केट में से एक है। 6 मार्च को लखनऊ में पत्रकारो से बतचीत करते हुए एच जी एच इंडिया के मैजिंग डायरेक्टर श्री अरुण रुँगटा ने लखनऊ एवं यूपीके उपलब्ध अवसरों की समीक्षा की। भारत के सबसे बडे एवं प्रसिद्ध हस्तकला केन्द्र, जिन्होनें अपने अनोखे उपादों से विश्व के होम डेकोर, होम कसटाइल्स एवं हाउसवेयर बाजारों में अपनी अमिट छाप छोड़ी है, उत्तर प्रदेश में थित है। लखनऊ की चिकनकारी, मुरादाबाद का ब्रास मेटल वर्क, सहारनपुर व लकड़ी पर नक्काशी, फिरोजाबाद की के कॉच के सामान, भदोही के हस्तनिर्मित गलीचे कानपुर के चमड़े के उत्पाद, तथा आगरा का संगमरमर के सामान पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। हालांकि यूपी के इन सभी हस्त कला केंद्रों ने विश्व में अपना स्थान बनाया है, वह अपने ही देश के तेजी से उभरते अवसरों की सुनियोजित ढंग से उपयोग नहीं कर सके। आज भारत 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ता हुआ घरेलू उत्पादों के लिए विश्व के सबसे बड़े बाजारों में से एक है, दुनिया भर के सभी बड़े ब्रांड और उत्पादक आज भारत को अपने सबसे बड़े तीन महत्वपूर्ण बाजारों में से एक मानते हैं, फिर भारतीय निर्यातक इन अवसरों का लाभ लेकर भारत में अपने ब्रांड क्यों नहीं स्थापित कर सकते? उत्तर प्रदेश को इस दिशा में पहल करनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के पास भारत के घरेलू उत्पादों के बाजार में दोहरे अवसर हैं। एक तरफ लखनऊ एवं कानपुर जैसे शहर इन उत्पादों के उपभोक्ता एवं रिटेल केंद्र बन सकते हैं, तो दूसरी ओर यूपी के हस्त कला केंद्र भारत भर के बड़े आपूर्तिकर्ता बन सकते हैं।

जनसंदेश टाइम्स लखनऊ 7 मार्च 2019